

हिंदुस्तान के ईतिहास के उद्दिष्टात् नगर्नु ॥ २३० ॥ प्रहृषति कार न दृग्या भ पानिपिता  
लघुपदे दोर ॥ २३१ ॥ पद्यभ्या को पतिद कले ज न गति निष पा को भय पति लघुप ग विरहात्  
नगर्नु क्य ल भ व्या ग ग ले त ता ई रा व्या को पा निले प्रा गा नि भा उ ने द र ॥ २३२ ॥ प्रहृषति  
भीदु हे लघुप त न क प्र प ये को जो का म लो क ति ज न ग व्या प ति प्र ल ये द र ल ये को क र ज ग व्या  
ले ल ये द र त ल को दि ली न प रि द र व हु ते ज न ग व्या प ति व ति पा ति भा व ले द र ना ल ज डे  
गा थ ल मो चू ले न र ॥ २३३ ॥ प्रहृषति भीदु हे ल घुप त न क जो को हि ध न का लो भ ले स गु पित वि  
द्या ल ग ली के रि ग्रा फे लि त वि क्र म भ या कि त्वा हि पि त वि त्वा ल ग ली त ल को जि वा न भ यो भ ति  
जि नु ॥ २३४ ॥ त व ल घुप त न क का ग भी द र हे हि र न क ति पि ले ग्रा सा ग व्या को क रो ल वे सु न्या  
ने प ति पे ले य हि र क ले प ग व्या को द ति पि लि त प्र व ये पे ले ता पि त्र ग व्या न न र प्र न पा ति छे  
डि क न ति प्रा द्वा र म प्रा ण छे रौ ला ॥ २३५ ॥ हे हि र न क पे ले जै धा र्थ भ व्या को द्वा का वा



हिन  
२८

मायको भाडो फौ नुवडो अगमदू जो नु क नवडो कठि न दू तले दुर्ज नहु न सुन को भाडा  
फौ नु कठि नहु दू जो नु क नवडो अगमदू न तले सज नहु न ॥ २३७ ॥ हे हि र न्य क धा नु सवे  
र लाय न ले पिल दू न प अ प दू ह न कार न ले पिल दू न प ये ले लो भ ले दुर्ज नहु न पिल दू  
न स न नु ज नहु न द स नु मा न ले पिल दू न ॥ २३८ ॥ लो मा न क न जो गि ज न ले ल न नु पिल त को  
प ग न नु का ई द्वा ग दू न ॥ २३९ ॥ य ल कार न ले सज न लित न प ग न नु क्का न न्या दे पिल  
अ न पिल न नु न्या प दू प नित्य न का गु न नु नै न न सौ क प ल का कु त का नाल नु न्या प वि  
धा गो ला गि र ह दू न ॥ २४० ॥ हे हि र न्य क अ न पिल का ध न पा लु चि ह नु लो भ द्वा ड नु पिल  
न का कार न पा ध न प नित्य ग न नु पिल का को कार न पा अ रो ह नु पिल का दु प मा दु प न नु  
पिल का अ ष मा अ ष न नु पिल का न द ह ता भै र ह नु पिल का नित्य नित्य व द्वा ड नु पिल  
पिल न स न्ने न द्वा ड नु पिल का न ॥ २४१ ॥ य नित्य न ले स नु क्त न प्या को पिल नित्य

पिल  
२८



पिछोडि प्रहृजाहापाइला ॥ २४२ ॥ तवहिरेयकमुचलेइलादेखिनिस्कीकतभयेहेल  
 धुपननकमुपुतजलोतिप्रावचनदेखिमतिप्रभया ॥ २४३ ॥ यखभवाकोदुघाषले  
 पिरिरहाकापानिललाईमितलजललेप्रहृजाभगरायापरियतिकोमितलहवेतपोर  
 कागलातायापरियतिकोमितलहवेतलागलरिहमाभीषंडवंदतलायालेपरियतिको  
 मितलहवेतजनुकोप्रितलेविकायुक्तिमितलजगतकाभमाकोवचरुलेवित्तकनमितल  
 लागधुतलजगतकोवचरुकचहोभयाजलोपाजितनधमाहाहतेप्राकनानजिकला  
 उगुप्राकर्षनपत्रगदुतलोहो ॥ २४४ ॥ प्रहृपतिजैदुपित्रमितवकीरपागमाकोकुटावी  
 हिरनगुपित्रकाचचो नगुपित्रमितमिधुनहगुपित्रमितचंचलचित्तनगुपि  
 गमितकोधनगुपित्रमितकपटनगुपित्रमितजुवानपलेनयतिपवेगमादे  
 षपित्रकोदोषहो ॥ २४५ ॥ तिप्रोयखवोलताकोप्रहृसाहलेवकेदोषपरितिमिछेउदे



हिन  
३०

जिदेन ॥ २४६ ॥ जोतनाक नकुसल दकि दे नल नकुसल गद कि गेदे न जो दुई थोक का कथा  
ता प्रयोग गरि क नकुसल नु रिता हा दकि दे न चंचल दकि दे न जो दुई थोक प्रत क्षे ले हेरि  
क नकुसल नु ॥ २४७ ॥ अरु पतिल दित न दन प्रेम का रल ले निरु पल नु नग विन न वो ल्या मा भिन्दे न  
रह का वारि ॥ २४८ ॥ दुर्जन ले क पर चित्त गरि वो ल्या मा भिन्दे जाति न रह भेति त्वि दन ॥ २४९ ॥  
नका र न ले ते प्राप्ति न का म नु भा पु र्ति वरु अज दोष ति मि मे रा मि न प को भ मि हि र न क ले  
न नो उये दि न दे धि ति दुई जा ना क पर त्वर पति व छ दे ग यो ॥ २५० ॥ ता प दि हि र न क नु ल्या  
ले अफ ना मि त ल घु प्र न का कला हि अफु दे उ न या को व लु ल्या ई क न भोज न ग रा ई अफु कुला  
मि न प ल्यो का ग पति अफु ना स्थान मा ग यो ॥ २५१ ॥ ता हा प्राप्ति दि वे ज न ले प्र त्वर क ल  
ल प्र ह ग र्ति ना न दे स का ना ना र ल का कथा हा ग र रह द रु दि व रु त दि न वि ल्या र ॥ २५२ ॥  
वा हा दे ज का ग ले हि र न क ला ई म दि र दे न प स था उ ना व डो क स्त्रा मि न ग्रा हा

मि न  
३०



तदितद्वत्तयोथा उद्योडि-ग्रन्तज्ञानपत्रगर्धुभ-दा ॥२५२॥ तवहिरं न्यकभंदरहेपि  
गकाहाज्ञानपत्रगर्धु ॥२५३॥ यद्यप्यन्याकोद्योकोहिस्मातिवुद्धिर्वन्तद्वत्त  
यकपाउलेचलद्वत्तयकपाउलेटेकितावद्वत्त-अधिसापाउलेनटेकजिपद्विनाप  
उउठाउदेनतलेहोदोआथाउठेगागानगरहिपुर्विलावापनद्योडगु ॥२५४॥ तवका  
गभंदरहेपित्रथाउठेगागानगर-योकोद्य ॥२५५॥ तवहिरं न्यकभंदरहेपित्रयथा  
उकाहाद्यत्त-नदा ॥२५६॥ तवलद्युपत्रगकागभंदरहेपित्रहिरं न्यकभंदरहेपि  
न्यकोद्योकोवत्रगाजरपुत्रो रभ-न्याकोयकभंदरहेपि तललरोवरकावद्वत्तदि  
नभयोउपाजितलजाकोपेतावडोपुयवडोधर्मात्मसंधारनामकुर्मकद्वुवापेता  
पित्रवत्तकाद्यत्त ॥२५७॥ हेपित्रभुक्तकनउपदेसदिकनपेडितभ-याकासवेकन  
भ-वा २५८॥ अत्राकुलेगर्धुनकोहिहुलापाहासाहसमात्रउद्यत्तसवेतुदेन ॥२५९॥ त  
काहत्तलेहेपित्रहिरं न्यकभंदरहेपित्रलेपाद्योआदिजलज-नुआलातदिकनलादि

राम

राम



दिन  
३१

लागई पात न्याद्यत् ॥ २६० ॥ तव हिरे मज भंघ न रहेधि ॥ २६१ ॥ पतन के ने ले पति को हाथ पि  
क्या गहला ॥ २६१ ॥ अतो भया को पति दु जस दे लमा प्राप्ता ताहि सी दै न प्राफनु आदर भये  
न जस दे लमा प्राप्ता पित दाज्य भा ईपै डि न जोहि भय न दे लमा जाति न न हल ले न  
वसु न तस दे ल छोडि जानु ॥ २६२ ॥ धमि पा गह न प धा लला जा न दि वे द्यो यो प को  
क न भया का था उ मा सा ति ज न ले न ब ह्यु ॥ २६३ ॥ त कार न ले न ला ई पति न हिले जा नु  
हवत् ॥ २६४ ॥ तल पदि न धु पत न का ग र हिरे ने क न ला दु ई पति न ले जा ता न र ह का क  
था ल गे दे अ प हित न ल पु त्क र गो र भ मा ल रो व र का ति र मा जा ई पु ष्पा ॥ २६५ ॥ ता  
ल उ प्रा न प थ र भ मा क दु व ल ने अ फ ना मि न ल धु पत न क का ग ला ई दे ष्यो र उ ठि क  
न व डो प्रा द र ले भा व ग नो उ ले न र ह ले हि रे म के मु ला ला ई पति प्रा द र भा व ग नो ॥ २६६ ॥  
वा लो पि म थ र भं घ न ला ल ल ह ल म श वृ ध र व र वा ज वा नि त व म वा मो को हि अ फ

पित्र  
३१  
श्री राम



राम

नाथरः शवत् नत्क न पुजागर्ग आदरभावगर्ग भक्त मरधु ॥ तवल धुप न न  
ककागर्गधु सुहेपि न मं धर विषेय गरि आदरं हि निजा पुजाग रै व वर का लाभ सा  
पु-सर्वे न पर्वे पा म्मे स्य पा का क र ता प मुद्रु हिरे न क न म मुला विवे का र जगु  
र ॥ २६० ॥ ई न का गु न को सुतिग रै क न दु ई ह जग र जि प्राहु त्या डी प ना ग केर पा म र्थ  
भवा मा न जो जा नि सु र ते ता ग रि स क न द्ये न र ॥ २६१ ॥ यति भक्ति न का ग ले चित्र मि  
व परे वा को क था हा मं धर ला ई स व सु गाय ॥ २६२ ॥ तवल धुप न न क का ग को व च  
न भुति प ध र ते व डो आदर पुत पुजा गरि ह रि न क ला ई भ मो ते मा हा म्मा य म  
नि ज्ज व न पा का न च ला ग र्ग भयो आशा ग र्ग व ल ॥ २७० ॥ तव हि र मे क भं द न हे पि न  
प ध र आ क गु ध र्मी ते म क रं दु सु र व र च पा पु रि न का को न गरि पा ली न्पा लि त र का  
व ह्म पा व डो ध र्मी ला थि यो त पु डा क र भ पा को ली न्पा लि व लो थि यो ने ले पु मि

राम



हित  
३२

देखिउ फरि कनकाधिजाई चावत धाई आहु थापि जे २ धाई आहु थापि ॥ २७१ ॥ ता  
लापि धि यक दिन न सचु डाकर्न लीन्या सि के व डी प्रिय मित्र तिल कर्न भत्ता को लीन्या  
सि पाहुना आई पुग्गो ॥ २७२ ॥ तव दुई मित्र ले रागि ना नाक थाहा कहि वर्यो तव विर  
कर्न ले कथा हाग दासा चुरा कर्न ले लाई तलाई पुन्या कावा म का का ठ ले  
यो ॥ २७३ ॥ तव विर कर्न भदर हे मित्र कन न देरा कुरा सु नत वर्य मेरा कुरा सु नाति  
प्राप्त नला गे दे प प नति प्राप्ति न ग या ज हिला ग दूर ॥ २७४ ॥ तव चुरा कर्न भदर  
हे मित्र ति प्रा कथा हाग विर कर्न भपा को लेई न परी न हे र न स पुसा मेरा वडा भपरा  
धि दूर सि द्ध पा पा गि न्या सा जो चावल धाई दि दूर ॥ २७५ ॥ तव विर कर्न ले अलग  
पा राप्ता जो देखि कन भदर हे मित्र पुसा त देख ता कन ला तु नि वलि यो यति ना  
ठा देखिउ फरि स कि न्या तलाई न केहि कुरा न होला ॥ २७६ ॥ ए स्व भत्ता को दूर भुक्त  
न्या तन तन विस्वा हि ले विना जा र न ले धुई स्वा पि लाई भुक्त सा लि गरि दुई ला

१८  
मिन  
३२



# उच्च न १

तले दुईतिरवा के ललमा तिक न ठरे न न कार न हो लाग २१॥ तव बुझा करी भई न  
 यो कथा हा कथा हो भवि भई ॥ २१॥ तव विर करी भई न हो नि अ सु न गोर दे सभा को  
 लीवि भ न्या को नगर छन तले नगर हा कु त नाल भ न्या को ना हा धु नि य क व नि या धि  
 यो ॥ २१॥ तहा उ प्रा न त स व नि याले वृध का त भया पछि का म जे ला ले ध न स ता  
 ले तिला व ति भ न्या को व नि या को छे रि मित वि वा हा ग न्यो त्य लि हा व ति क नि  
 भ न्या सांध पा न था म दे व ज सि ली ला र जित न क न वै ज य नि भि ना धो जा व टा का न  
 हि न प्रति सु ध रि न न नि भ या कि न म तिला व ति क न वृध स्वा मि ले स न को ली तो भ न  
 य नु र ॥ २०॥ य स भ न्या को पा ने छे मि त त ले की प्र पा न न पा को पा नि स ला हि  
 न लो र द्रु ना रि को ला गे दे न था ग ले मि ता प ला ग्ग का पा नि स ला र न ला ओ अि रु र्ध  
 नि को ला गे दे न त ले न न रि स्था हि ला र वृ ड् भ या को स्था मि क न स न स न पे दे न ॥ २०॥  
 य न प रि भ न्या को छे तहा प छि के स पा ज्जा प छि व ल घ र्वा प छि १५ स क न का न जे स



हिन

३३

गदि कुते प्रयो म न दे न काम येष्ट गन्वा रुदि परि प र पुरुषास त मित्वा कि त त नि  
त्याहिकाः पत न व न्यको प्रोषा पिषाया मे रुद्ध ॥ २०२ ॥ तव वनि वा ले पनि त ल लिता  
वाति हा रु वहु त प्रे म गर्ग ला उयो ॥ २०३ ॥ वल्य न न्या को परि द् प्रा णि ह रु क न व नि स  
दा रु ध न को प्रा ला रु जि उ ता को प्रा ला ठु लो रु द् बु ख न न त रु नि त्वा हि न् प्रा कृ ता प्रा  
न चा हि पा नि व द्वा पि वा ले रु द् ॥ २०४ ॥ अत परि न् पा को द् बु ख पा नि ल ले भोग  
ग रु न न्या ले भोग गर्ग ल क दे न द्वा डो न न्या ले द्वा ड गु प नि ल क दे न न सो दा त न  
वा का कु कु र ले ता ड च पा उ रु प नि ल क दे न द्वा ड गु प नि ल क दे न के व न जि प्रा ले  
पा न चारि ता प द् न त लो ले ॥ २०५ ॥ अथ न स ति ता वा नि जो न न म न ले प्रा क  
ता कु ल को वे वा हा रु द्वा डि क न् अत व नि पा को द्वा रा ल ग प्र ति रा दि ॥ २०६ ॥ वल्य न  
न्या को द्वा प्रा कृ ता पा न्द त मा क ले को द र न न्या नि न् न त्व त न्ने र ह्य रु दि के रि जा

पित्र

३३



आ उ त्तर्व ह द मा लो ग वि ग जा ई व त्पा ह दि उ ह व का त्पा ह दि व ह का क  
था उ थो क न न ह न्पा वे त्पा त्वा हि नि त सी स र ग न्पा क क त उ दै न छो ड्वा  
ह दि उ ह त्पा मी जि त ई षा ग न्पा न का ह दि त्वा नि प र दे स पा र ह न्पा न का ह दि  
न ह ति त्वा ल ति को य ति थो क को ना स को का र न हो ॥ २८७ ॥ अ ह प नि न का को  
द ल गो व लु पि उ नु दु र्ज न पि त पि प र ग र्ज त्वा नि स त वि र क ह र्ज वि ग का मे द  
ल गु प र ई का घ र मा उ त नु व ल न यो स वे थो क त्वा म्प नि का दो ष न का को द ॥ २८८ ॥  
अ ह प नि न का को द त्वा न न न का ह दि व क घ र नि ष ति २ न का य ह दि त्वा क क न  
वा ह य पि पु ह ष न न का न न हो ना र द त्वा हि न ह का ल स र ह ई ॥ २८९ ॥ अ ह प नि न  
का को द त न ले प नि वि न य वे व ह र जा न्पा ले प नि स वे का द ति नो भै र ह न्पा ले प नि  
स वे का द र म्पि न्पा ले प नि त्वा हि क त्वा स र ह दे न य क को हि न वा हि न्पा न का न ग  
त्वा हि क त्वा स र ह ई ॥ २९० ॥ अ ह प नि न का को द धे उ का ना गो र त्वा हि न ई



हित  
३४

हुई वरोवर हनु वज्र द ते ज भ या का प्रा गो र पुरुष ई दुई व तो व ट ह न त का  
र न ले जा नि ज न धे उ का ध रा र ग गो य का था उ मा न त ल न व क था उ गो र का  
धे उ ग लि ज धि ॥ २८१॥ अरु पति भ त्या को दू त्या हिले के ले पति लो र न ल  
धे न भा हा भ त्या दे धि कु मारि वे स मा गी वा र क्ष मा ग र्ध न जो भ न वे स मा त्या नि र क्ष मा  
ग र्ध न वृद्ध वे स मा धो रा र क्ष मा ग र्ध न ॥ २८२॥ य क दि न त ल तिला व तिले व तिया  
का धो र मि त र न का प ली गा दा उ भ लि त उ ति ना ता र स को क था ता ग र्दि र ह द  
अ त्या त् अ क का ष ल प्र दे ला मा आ या को द धि क न रू प न उ ठि क न जो ई क न  
त्या मि मि त अ क मा ला ग रि दु ई ल न ले पु पु टा को के ल स ता नि क न उ च न ग  
रि उ नि ओ स र पा ई क न जार उ धि भा न्ने ॥ २८३॥ आ हा रा जो न न पति ला म र्ध र  
हे न ॥ २८४॥ दर ले ह नु ह नु भा गि जा हा रु दि स क न उ डा क र ले दे धि पा यो ॥ २८५॥

पित्र  
३४



नवचुडाकर्नभं दहेपि न धने लेखी सार सा तवै वलिया रुदा र ह्या द्र र ध ने ले पीडित पति  
हुदै र ह्या द्र र हे र य स सुखाले ध न ग या प दि प्रा क ना जा त को को भाव ल मा तो ॥ २८६ ॥ य  
स र्प सा र मा ध न न रु सा ला ना ना तिल ला ना वृ धि का पु र ष ले ग या को का ष ल वे ना लि जा दि  
न तो ज्येष्ठ वे सा ख का दि न मा ला ना ला ना ना दि ना ला रु सु कि जा दि त ते हो ॥ २८७ ॥ अ न पति  
न मा को द म ल क न ध न द्र त स क न पि न पति वृ ह ते ह द्र त स क न दा न्यु भा ई व ति ह द्र न  
क न ध न द्र त स क न ली सा र मा लो ग मा पति वृ ह वो ला उ द्र त स क न ध न द्र पति त पति व  
ह वो ला उ द्र ॥ २८८ ॥ अ न पति न मा को द दौ रा न रु सा मा तिल ल को द र ल म्प ह द्र के हि  
लो भा व रु दै त न ते सु त पा न पि न न रु सा का ले जा पति शु र्व का ले मा पति दो स दि सा अ  
न्ये ध न के टे वा र के हि लि प ता ज्ये त त लौ द लि दु क न ला र घ र वा रु व र्ज ल र्ज न अ न्य  
॥ २८९ ॥ अ न पति न मा को द य स र्प सा र मा प न रु षे क न र्प म्प ति द्र ति पा ले ई दि  
जा ते न न ति र ह द्र न पति थ ला ह द्र वृ द्रि ग मा को पति न फ लि र ह दै त नो ल्पा



हिन  
३५

३५

जो वचन पति श्री-मार्ग देव नवधन को ज्वाला घट्टन नववहि पावे ईद्वि प्रवहिनानु  
उहिवहिवहिवचन न्यामनिल दो नमार्ग ले प्ररभे जो दन जो वदो प्रासा जे विभाता  
जो वतिन दन ॥ ३०० ॥ एति सन्मा नि को वचन अमिक न जे ले प्रनमा विचार गमा प्र  
वचन भा नमा वदना हो ई न भवि प्ररक न जो विलि न कह न पति उचिन हो ई न ॥ ३०१ ॥  
यो सो नमा को दधन नमभया को प्राफ न कानि प्राफ न का न को दध प्ररले धन्य  
को प्राफ क न प्रीप्प न नमभया को वतिनो क न पति न न ले कहि ले प्रका न न न ॥ ३०३ ॥  
वचन नमा को ददेव विप्र न नमा पदि प्राफ न प्ररुषार्थ वेधार्थ प्रादति दिने रह नमा प्र  
जिमा नि प्ररुष वन द्वा डि प्रन न क न प्ररु देव ॥ ३०४ ॥ अमि मा नि प्ररुष ले प्रा  
पदा पदा प्रा न न्या गगदु को हि पति को ला उदे न दि ली न पति द्वा नि ले प्रागाला  
ई सित न न देव वर नि मि जो दन ॥ ३०५ ॥ प्ररका ह न पति दन अमि मा नि प्ररुष प्रकार प्र  
नका वके हो ई हो डिने सता वेका र देव कि स वे लोक का कपाल मा चहि र ह द्वा कि  
वने मा न रि जो दन ॥ ३०६ ॥ अथ वा य के हि था उमा मा नि क न जि उपा ले ना न रो लाभ

पिन  
३५



का यो लवे जाति दाग र्ग्य कर्म हो ॥ ३०७ ॥ यत्न भ मा को पति द य ल ली मार दा ली पति न  
मा भाति ल ले वर पु गि न प्रवे म ग रि प्रा रा हो ड न रि को प्र क ना ठे मा ना दे सि पु र्ब भ मा ज  
दि रूप न दे उ मा गि वा गु न रि को ॥ ३०८ ॥ ज व म नु खे क र ली पति घ र द न दा ति द्रु ह  
न त व लो क भि न र ह न ल र्ग ल प रि र को व ल घ र द न व ल घ ट्या प दि ल वे ले पु र दि घ  
न ल वे ले द प्र दि दा मा प्र क र भि का र ग रि द र भि का र ले न न मा लो क ह द र ल व क ले  
पु धि ना ल ह द र भि ना म प या प दि ध मे व ह द र ल का र न ले ध न भ मा को ल व मा प दा  
को ध र हो ॥ ३०९ ॥ य ल ली मार मा मे रि भै र ह न व र रि को प्र दि धा व च न वी ल  
न मे हे रि भै र ह न व र रि को प र लि ग न न ग नु न रि को प्रा न त्या ग न न व र रि को क ले  
का द र्ज मा ह न ग नु भि न मा गि वा नु व र रि को वि ल ना ध न दा लो भ मा गि अ न न ग नु ॥  
३१० ॥ यत्न भ मा को द र लो ले वा ग र्ग्य का मा न प्र दि मा न के हि र हो दे न व द मा का  
कि र न ले म न्ध का ल र ह दे न वृ ध वे ल मा के ल पा क्य प दि ल रि द्रु को लो भा व र



दि नो उ प दे स

हि त  
३६

ह दे न हरिक था हा लि व था हा अन्ना को पा व र ह दे न ग ले पा ग न्या पा नि स को ल य न  
न भ या व नि गुरु दे उ जा व ना ग र जि ल वे गु न जा ई गि द र ॥ ३१० ॥ यो न न पा वि जा ह  
ग रि क न गुरु दे उ पा गि क न त ल पि ए ड ले य ल न्या न्या क न र द्या ग र ल न्या यो व नि  
व ड क रु दो न्न म्पु न्न को वा दो ले ॥ ३११ ॥ य स न न्या को द न्न को पि न्दि ता न्न ई च ला  
उ न्या कि नि क न्नु त्रि वि ल र भो ग ग न्या न्न का पु लि ले भो न न ग न्या य ति ति न थो क पु त्र ष  
क न पि का र हो ॥ ३१२ ॥ जो को हि पि दा का ले ले ग जो को हि पि दा प र दे लि जो को हि पि दा पा  
हि का न्न न्न न्या न्या जो को हि पि दा व र ई का घ ट न्न न्या ई का रे थो क जो जो जि उ न्न स प रे  
नृत्त व वि न्न प हो ॥ ३१३ ॥ यो व न न्या वि चा ह ग रि क न लो न ले क ति दि त ल प न्न न्या प न  
लि न क न मे ले न न्न ग न्या ॥ ३१४ ॥ न्न प रि न न्या जो द लो न ले पु पि च च न्न ह द लो  
भे ले न्न प उ प न्दि व न्न न्न ह्या ग न्या ले ई ह लो क प र लो क पा प नि दु र्घ पा उ न्न  
द न्न ॥ ३१५ ॥ न्या उ प्रा न्न न्न व वि द क र ले न्न न्या का वा ल ले न्न ता ई ह न्या न्न व मे ले वि

न न  
३६



न नग-या लो भिन्न लोषिव रावर हो ल दाः प्राप्ता गतो लोषि ॥ ३१६ ॥ न व पुन व बत प  
न ल-तोष दू त ल क न ल व ल-पति पु न भ का ज हि हू न लोष न हि ला उ न्या पा नि ल  
या लेषा मा ला त प धि द्या ला का न हि हू र त ले हो ॥ ३१७ ॥ प्र न पति भ का जो दू ली तो  
ष य हि प्र न त र ल ले त्रि पु नै र ह न्या पा नि ल का पु न ना जो नै र हू लो उ ब ध न का लो भ  
ले जा हा ना हा दु ग न्या पा नि ल जो वि न ना का हा हो ला ॥ ३१८ ॥ त स न गु षे ले ले वे वि द्या प ह्यो  
भ नि मा नु ल वे ध र मा त्र ते ले ले उ न्या जो दू भ नि मा नु ग री का प ल वे री ग यो भ नि यो  
नु जो ध र का प्राप्ता प हि ला रि क न नि नि भु नै र हो म ॥ ३१९ ॥ प्र न पति भं दू दु ला का दार  
पा ले वा न ग रि क न प्रा क ना प्र ये पा ना नि ल धि र क प वे था क हि ले ल ह न न प रि क न नै र  
दु उ ग रि व व व न यो ल न न प रि क न जो को हि जि उ दू न ल को जि उ नु ध न्य हो ॥ ३२० ॥  
न ल्का र नं ले ध न का लो भ ले वा र स य को ल ल प ज्ञा न क न प रि टा ठा मा न दे न ल लोषि पु  
न ल क न हा त मा ग्रा ह य न्या जो ध न प रि उ ति का प्रा द र ह दे न ॥ ३२१ ॥ न ल्का र न ले



जौ भव ब्रह्मा भौ पछि सर्व दाउ मेः प्रनुत्पार को का मुगर्ग पछि ॥ ३२२ ॥ य ख भु न्मा को  
 द य ल ल साह माध र्म भ न्नु क्मा का न भ न्मा ह दि ल र्व प्रा नि हे उ द या ग र्ग द या दे षि थु  
 लो ध र्म कु ने हे न प्रा नि का न लु ष भ न्मा को व पा हो भ न्मा दे षि ति हो नि ल र्दि ह दे  
 षि थु लो लु ष कु ने हे न ह्ये ह भ न्मा को क्मा भ न्मा प्रि ति ति त स दा भा यु ग र्ग य ल दे षि  
 थु लो ह्ये ह को ने ह्ये न प डित भ न्नु क क्क न भ न्मा दे षि जो र्थ ना ते मा प रि दि ग र्ग  
 ल को ह त ल क न प डित भ न्नु ॥ ३२३ ॥ प्र न प रि भ न्मा को द कु ल का र न क न न द्यो ड  
 कु ल क न र्ग व दि नुः प्र न लो र्ग दा उ क न र्ग व न्मा भ या कु ल क न द्यो ड प्र नि य क र्ग  
 उ त्पे उ पा ले ला र पु लु क क न र्ग व भ या य क र्ग उ ते ज नु त नि पृ थि मे उ पा लेः प्र न्मा क न  
 र्ग व भ या पृ थि मे जि क न प रि जा हा प्र न्मा क न र्ग व द्द ह त हा जा नु ॥ ३२४ ॥ प्र न प रि  
 भ न्नु क्मा कु व र्मा का था उ मा द ल्का नु ग र्ग मा पा नि की न प्रि ल्मा प रि व ह्नु व न्नु नि को  
 भ प ह्नु न्मा था उ मा वि ता य क्ति ले पि थो वि लो पा नि भ पा प रि न त्रि को योः  
 वि चार ग रि क न मे ले हे न्मा प्र न का र्ग व जी हा अ प भ न्नु प्रि ति भ नि ॥

पिन  
३७

३३५



सोविचारिकनयसतिर्जनयनमात्राभ्युदाहाप्रयापदिहोप्राप्त्यनकाफललेपिबलितद  
र्शनभयोपिब्रलेवहोपुतिभावलितप्रनुग्रहकाषीयाश्रितेनयकाप्रवभावलेपिप्र  
शास्यमापुकि कनस्यर्गमापुग्याकोजति कोलाग्याकोद ॥ ३२६ ॥ यमकारनलेल्लव  
रयहिषर्षकोदधयेतत्माहुईफलसररुअभाभमाहुदियककाअयहिगमृतहसतत्को  
त्वाद दोश्रोर्लनजनलितलिंगहर्षहधयेमाईहुईप्रमृतफलदृग् ॥ ३२७ ॥ तवयतिक  
आहाहिरंयमुलालेभमाकोअनिकनमंधरुभंछरतिपिलेवहोर्लनगगये  
तत्कोदोषरहो ॥ ३२८ ॥ यनउवागिकनदातदक्षिपगगर्गकाभमाहुदिनवधनकोर  
ध्याभयोभतिजीनुस्वधनकेहेपतिलकिआहोईनभतिजीनुजलोतलाउकापातिक  
तिवगिगयापतिलकिदेनतलेजीनु ॥ ३२९ ॥ अरुपतिभमाकोदुःशाकगुलुषभोग्ये  
दोरिकनजोधनमात्रउपाजनकापतयहोस्तत्कनपराईकोभादिंकोकमाकेवल  
दुषकोधरुभतिजीनु ॥ ३३० ॥ पायाकोभोगगर्गनपायाकोधनलेधनिलोलायाहुदि  
विनाधनलेहदिपनिधनिहोमोकातलेजीनु ॥ ३३१ ॥ अरुपतिभमाकोदुःभोग



हि न  
३८

गर्भ न वा वा को कृष्ण को जो ध न स्व ध न ते स्को हो भ नि लो क ह ह ले भ ता उ नें भा ज हे  
न स्व ध न को ह ति ह ह दा दु प्र स्व ह न क न मा न न त्को ज न्न ग यो भ नि जी नु ॥ ३३२ ॥ प्रिय  
व व न लि न दा न दि नु ग्पा ति जे क न न्ने ह का र न ग नु सु रो जे क न द्धे म ग नु ध न पा ई क  
न दा ता दु नु यो चार थो क क ल्मा न को का र न हो व डो दु ल्भ भ हो भा गे ले पा न पा उ नु द्ध र ॥ ३३३ ॥  
भ न को ली च य ग नु ग्ति ली च य न ग नु हे र प्रति ली च य ग न्नी जे नु ले ध नु का ट पा ले नु  
कु क न प हा ह पा ग्पो थो ॥ ३३४ ॥ त व हि रं य क भं ध न यो कु रो क लो भ यो थो व नी त भ  
न ह व म् ॥ ३३५ ॥ त व भं ध र भं ध न प रा र्ध काल ग क ल्मा न क र क भ न्ना को दे ल ग भो  
र व न म य क व्या धा धियो ते म व्या धा ले य क दि न विं द्या च ल प र व न्ने म धे म मृ ग का  
मि का र क न ग यो ॥ ३३६ ॥ ता हा प्रान्त त म व्या धा ले मृ ग ना हि क न न्ना उ दा म पा रो म व  
डो भ यो न क ये क व दे ल दे षि पा यो ॥ ३३७ ॥ त व व्या धा ले मृ ग भु मि म हा षि क न का ठ  
ले व ने ल क न हा मे ॥ ३३८ ॥ त व व ने ल घ न घो र क द्ध ले न्ना ई क न व्या धा क फल ना  
वि वि क न ह ष ठा ल्पा जे ग रि क न ना रि लो टा यो व ने ल प नि म यो ॥ ३३९ ॥ व च भ

३३३॥

मि ग  
३८



पाको ध ज ल प्र गि वि ष म नु द्यु धा व्या वि पर्व त दे वि लो टि क न ह स्मा दि कु ने का र  
न का ई प्रा ति ले प्रा न छे ड गु द र ॥ ३४० ॥ ना प्रा न दि र्घ रा व न भ मा का र्ज न्चु क धु म दा पि  
दा ॥ प्रा हा रा को ज न उ ले भा डु मा प्रा इ पु म्पो न व म रि र ह्या को म्पो व्या धा व ने त ति मि  
क न दे षि क न वि न ना ज म्पो ॥ ३४१ ॥ प्रा ज म क न व डो भो गे नि म्पो ॥ ३४२ ॥ प्र थ वा  
प्रा रि ह क न म न ले न यि ता पा को दु ष ज लो प्रा ई प र्ध न त ले लु ष प नि प्रा ई प र्ध न व प  
मा दि न भा ष ना मि त वि चार ग नु चा हि दे न ॥ ३४३ ॥ त क्क र न ह त्रै ज न मा नु ले प क  
ने मे ना डे ठ म म ला ई प्रा हा रा नु रि प म्पो ॥ ३४४ ॥ प्र व भो ग मा प्र चि मि थो न भ का को  
ध गु को ना दो च पा उ प धि मि थो मा म्पा उ ला न रि र्ज न्चु क ले ता दो च पा उ ले न ला म्पो  
॥ ३४५ ॥ त व ता दो धि र्जि व का उ दा ध गु का ट पा त द कि क न जी च्चु का द्वा ति मा ला म्पो  
उ ले का को त ले द्वा ति फा ति क न दि र्घ रा व न भ मा का र्ज न्चु क म म्पो ॥ ३४६ ॥ त व म  
थ र म्पो ध न त क्क र न ले म म्पो धु म्पो ति मि व य न म्पो म्पो ॥ ३४७ ॥ य लो भ मा को छ



हित  
३८

धर्मिण मुष्णे को तत्त्वधर्मकमधर्मधर्मकसाधर्मधर्मसाधर्मिण दान भोग गर्तव्य  
भन्नापदि कोध न लेपमि ईस्त्रिपमि प्रतु भोगे गर्तव्य तत्त्वकमप्रफुल्लभन्नु ॥ ३४८ ॥  
प्रवयो कुराजावत्तु गद्या को कुराजौवनी उना जोगत्तु ॥ ३४९ ॥ यत्तु भन्ना को  
दशाभिपिण्डितु लेनपवदो वस्तुको ईक्ष्मा नगर्तु नापि गया को वस्तु को लोचनान  
गर्तु प्रापदापमोभित्तोक नगर्तु ॥ ३५० ॥ तत्कार न लेहे प्रित्रतिमि लेध न को दुषष्ट  
डिक नु प्रान द भैरु ॥ ३५१ ॥ यत्तु भन्ना को दुकतिम निपलेपास्त्रपति कनप  
नि वेहो न न जाति क न तुर्वको ल उच्छर जो जाति भै क न क र मि ग रो ह तत्त्वक न प रिड  
तभन्नु तं ले रो गि ह र क न जो छ पि बा चाले रो ग दु द द न के व ल जो छ पि का ना उ ना  
लिक न रो ग दु द दे न ॥ ३५२ ॥ प्ररप नि भन्ना को द पा ले व दे छिद र न प्रा न्ना ना निस  
को तु न भन्ना को उ प तु न का प्रका पतु दे न न जो प्री धा जा ता त ना व डो वा सि द ह्या  
पनि प्री धा ले के हि दे छ दे न त ले जा नु ॥ ३५३ ॥ ले प्रित्र प्रा क ना प्र व त्था द सा न

पिण  
३८



[illegible]



हि न  
४०

त आउ छर नूल पु रीप या का सरोवर पाप धि ठर आ उ द न त लो उ दे न  
पा र ह न्ना पु न ले छे उ स ले स व ति ति आ ई पिल छर ॥ ३५७ ॥ अरु प रि म न्ना को  
छर न लो आ ई पिल्पा को अष ग द्द र त लो आ ई प म्पा को दु ष प रि ल ह मे प द्द  
र न लो ग र द्दि कु लाल का च कि कि द्दि न हि न गृष्णे का अष कु ष प रि फि र्दे र ह द्द न  
न लो आ ई पिल्पा को जा नि ज न ह ल ले वे ले नु प द्द न ॥ ३५८ ॥ अरु प र ले ल द्द  
आ न न्द पित र ह नु ग म्पा का म अ द प र ग र्ग पिलो अरु र ह नु का म प रि आ या को  
जा नु जु वा आ दि म रि न र ह नु का म पा प दि न स नु लु र ह नु अरु ले आ फ ता उ  
प का र ग म्पा को वि ह्नु मि न मि त् पु ति ह ठ ग र्ग य ति उ न ले स शु क भ या का पा नि  
म मि त् व ह्नु क न ल दि न आ फे जा दि न ॥ ३६० ॥ अरु प र म्पा को छ वि ले व्द  
न न म्पा अदि प रि नो को हि वि र प्प दि न छर नि नि ले व डे म्पा नो उ पा उ द

पि न  
४०



इ वा ल दे षि क ति ध न भ या हु दि प नि क्त प मि ज न ले दु ष पा उ ने द र ह स्य ना प  
नि द र स्व भा वे ले उ त्प न्न भ या जा आ फ ता गु न का प्र का ष ले पा या को जो म लो  
सिंह को ते ज स्य ते ज सु न वा म ला लाई र ह्या ष नि कुं क र ले जा उ गु दे न ॥ ३६१ ॥  
हे मि त्र अरु प नि भं दु ष धि ति मि ध री वि यो र अ हं का र ग यो अ व र्ण प ति ग यो  
भ मि ज न ना क्वा पि ष्या द ग द्यो ध न भ या को ज लो के टा ह र क र ह न म र ह्या को भ  
कुं डो के ले हा त म र हं द्य के ते हा त दे षि ष लि प द्य त सै म नु ष को ध न मि त ल व  
ध के ले हुं द्य के ले हुं दे न ॥ ३६२ ॥ हे मि त्र हे र प य का द्या या दु र्ज न लि त क पि ति न  
व न्न न का स्वा द त र मि त्वा हि मि त को भो ग जो भं न ध न र्ण प ति प ति थो क र  
थो र का त मा त्र अ म न ना हो ॥ ३६३ ॥ अरु प नि भं द्यो क्वा षा उ ला भ मि ग्रा ह



हिन  
४१

रावतुतलोचनैर्नृकाहापमालयेकनभ्राह्मणविधातालेसयेकनभ्राह्मणत्व  
वगदितप्रदुर्दृष्टान्तपतिद्वयस्यभन्याजवगर्भदेविवालयकोजन्महृष्ट  
मेघरिखाभावादुपैदुधपद्युद्ध॥३६४॥हेमिन्नजस्यहृत्स्वरलेहंलज्जतसेनो  
गरिभीष्टिगम्याश्रगाकनहृदियोगरिभीष्टिगम्यापजुह्वज्जनातारीगलेवि  
त्रविधिन्नगरिभीष्टिगम्याहृत्स्वरलेतिप्रिकनयप्रियुतमानगरिदितन  
॥३६५॥हेमिन्नसंतजनलेगोष्मेपितभन्याकोभंछुसुमधनसंपत्तिजज्ञिकादुषका  
घरकुनेहोईनकस्यहोभन्यादेविप्रधिधनउजार्जनपतिवडोकस्तदुषसहने  
पट्टउधनविभिजादाजन्मभरिसीतापहुँदुधनभन्यापट्टिमार्तिद्वपतिकेहि  
येतरहंदेनतस्कारनलोधनअष्टदिपाहोईन॥३६६॥हेमिन्नकोहिभंछुनध  
र्मगतिकनधनकुत्पाउनुभंछुनस्वपतिहोईनधर्मकाप्रर्थलाईधनकुत्पाया

मिन्न  
४१



चाहि धन को लो भई क्षा द्यु रि रह नु धन द्यु जाले क्या हाहुं दे न भ न्याः जलो हिलो ला  
 ग्या को फेरि पा निले भु दा चा हि हिलो नल गा ई रह नु वरु नि को ॥ ३६१ ॥ हे मित्र प्र न पा नि  
 भई न लो पी द्यु हल ले आ का ल पा आ हा रा जो द्यु न व न ज नु ले व ने पा आ हा रा जो द्यु न  
 ज ल मि न रह न्या ना द्यु आ दि ज ले पा आ हा रा जो द्यु न त ले सर्व न ली म्प ति रु न्या ले प नि  
 आ फ ना आ हा रा भ रि पी द्यु न ॥ ३६२ ॥ तत्कार न ले हे मित्र प्रा रि ह रु क न ज लो म्प त्प  
 क को भ य ह द्यु त ले ध न रु न्या ना नि स क नु भ य ह द्यु क्सा हा भ न्या रा जा दे षि ज ल दे षि  
 प्र मि न दे षि ची र दे षि आ फ ना प्र रि वार दे षि प नि नि न्य भ य ह द्यु ॥ ३६३ ॥ हे मित्र ध न  
 को कार न ले ज न्य भ रि ल्य क ल रु नु प द्यु य ल व रो व र दु ष के हि द्ये न तत्कार न ले आ फ ना  
 ई क्षा भ रि ली म्प ति के ले रु न्या हो ई न भ यो भ नि ई क्षा प नि के हें द्ये न ॥ ३६४ ॥ हे मित्र  
 प्र द्यि न मो ड ने क ठि न द्यु क दा चि त् पा या रु दि प नि र क्षा ग र्ग के ठि न द्यु र क्षा ग र्ग ग



को

रि त  
४२

गदेध न ना लि जा दा हु दि मृ तु क भ या ज ति भि य हुं द त त्कार न ले य ता ध न जो धि ना  
 ना न गर्नु ॥ ३७१ ॥ त त्कार न हे पि न्न य ल त्रि ह्ना क न छो डि जि ड को द ति दि ना ई त्व र त्व  
 वे व रा व रि हुं द अ ति त म त्रि ह्ना क न व ठा या हु दि लि र क न जो र त्रि ह्ना क न क मा रो जे  
 रह नु द ॥ ३७२ ॥ हे पि न्न य ल म न ले ज स न स व लु मा ई क्ष पा ग द न त व वां घा व ठु दे जा  
 द न व म न ले ता का को प्र थ पा उं द त व वा घा प न स फुं द ॥ ३७३ ॥ हे पि न्न प दे पा त  
 गरि व हु त कुरा गरि वा प्र यो ज न द आ ह भि ले रि हि क न का ल द प न ग नु ह व ल ॥ ३७४ ॥  
 हे पि न्न त त्कार न ले जि व द जि को मृ ति दे न मा न को रि ल नि ली पा लि त जो दा न यो ति  
 न धो क ला ना मा नि ल लि त र हे दे न जो को रि थु ला मा नि ल हुं द न ति नि ह ह ल ग मा न  
 हुं द ॥ ३७५ ॥ य ति म थ र का व च न अ नि न धु प त न क का ग म् हुं द हे पि न्न म थ र ध  
 म् २ ति मि ल वे ले आ आ लि नु जो गे उ ए ले स यु क्त छे ॥ ३७६ ॥ त त्कार न ले हे

पि न  
४२



पित्रपैथदश्रापदादेधिलज्जनकाउकादनलकसातलतजनेरुनजलो  
मिप्रपापसाकोलतिकनउकाह्मतातिहुँदुप्रकाततुदेन॥३७७॥हेमित्र  
यसपृथिपासवेनेवाहगर्मीमनुष्येदुनभसासवेमनुष्येमाझेहभनहुसा  
लापुरुषभनाउसाजलकाघटजाईकनजाचकभयोअथवाकोहिलहनगग  
उसापातिल्लाईपरणालिन्मासाभाभनगरिविपुषनगरिपठाउसाभा  
मिल्लाईसापुरुषभनु॥३७८॥तवयलाभरुकाकेथाहगरिकनतिनेजाना  
लेईक्ष्माभोजनगरिरह्या॥३७९॥ताहप्रान्तविर्गीगभसाकोमृर्कनकसेलेन  
लीईदियारददलेभागिकनपैथदश्रादिहिंदीमेकलघुपतनकजाहावत्या  
काधियाउसेथाउपापुगो॥३८०॥तवसोमृर्गदूरलेभागिआयोकोदेधिकनके  
हिभयकोकादनलोलाभनिमैथदकाविपापसाहिंदीमेकनुसादुतामित्र



हिना  
४३

स्यो लघु पतन न क फाग उ डिक न रुष मा धि ग यो ॥ ३८१ ॥ ताहा प्रा न लघु पतन क  
काग ले रुष वा ढहे रि क न भ य को का ट न त के हि र हे न छ भ नि के रि मि न रु ल ला ई दा  
कि क न मृ गं उ धा चा टे ना ना य क था उ मा व म्मा ॥ ३८२ ॥ त व भ ध र भ ई द र हे मृ ग  
वि ग्रां ग ति ति मि कु स ल छे कि अ फ ना ई द पा मि न घा स पा नि आ हा रा पा गु ह व म्म य  
म व न मा व लि क न दि न का द गु ह व म् ॥ ३८३ ॥ त व मृ ग भ ई द र व्या धा ले म क न त र मा  
ई दि दा म ति मि रु का म र न मा ग्रा पा को हो अ व ति मि रु स ग मि न ग नी को ई द पा भै  
र छे द् ॥ ३८४ ॥ त व मृ ग का व व न उ रि क न हि र ई न क मु सा भ ई द र हे जि ग्री ग ता मि  
रु ल ले मि न को भा व अ धि ने ज ना अु ति मि ले गु र नु स के नौ ॥ ३८५ ॥ त व हि र ई न क  
भ ई द र हे वि ग्रां ग अ नो मि न भ मा को क स्ता भ म्मा य क अा क ना म ह जे को म  
न प म्मा को स वी ध न न रि तु ल्या था को ते ओ परा प र्व दे षि वी ग ल ले भ या को  
दी म् २

मि न  
४३



जोथो भाप दा पदार्थ क्षयाग्न्या यतिचा टपुका टपाणि त्रहुर ३८६॥ हे वित्रीग जल्वगरि  
आफना घर तलो मानिक न निर्ल पापि न वल नु हवत् ॥ ३८७॥ यतिहिर न क मुला  
का व वन भुनि वित्रीगभ न्या का मृगले आ नंद सित ई क्षया आ हा रा गरि पा नि पि  
जल न जिहिर ह्या जो स क्षये न नि व ल्यो ॥ ३८८॥ ता हा अ न्त मी थ र भ ई हे पि त्र वित्री  
ग ति पि क न क ले त र सा यो ज्या हा य स नि र्ज न व न दा प नि व्या धा त न दु ल्द द र  
॥ ३८९॥ त व मु ग भ ई द र हे पि त्र लो स क्म गि त भ म्या क लि म दे स जा हा जा द र  
लो हा जा ले दि मि व ज य ग र्हा ग र्हा वी दु भा गा न दि का ति र मा आ ई व ल्या जा द र  
प्रा त का ल मा य स क पु र स हो व र मा आ व म्या द र भ नि क न व्या धा त न जा म  
ष वा ट यो स मा चार भु म्या ॥ ३९०॥ त स का र न ले श्री त काल या हा प नि भ व द र  
व वि चा रि क न का प ग नु आ नु नु ह व र ॥ ३९१॥ त व मी थ र भ ई द र व डी द र मा



हित  
४४

अन  
त्रिभूद्वय पताः प्रघ्यारे नडा जलमित्र जाउला ॥ ३८२ ॥ तव काम मृग दुई लेने  
से गरु भनि जन्मा ॥ ३८३ ॥ तव हिरं मकले मृग मा विचारिक न भन्ने प्रतिपादि  
मित्र भवउत्तर्पन् भयापा जल छोडि थल मा जादा मीध रुक नु कता बाटु  
बुल लेला ॥ ३८४ ॥ हे मित्र होय स्व भन्ना कोछ जल जं नु कावेल जलो पम्प होम  
हमा यस्यामा मिल जो वल गेटे संपा हुँछ मनुष्य कावेल ग्राफ ना भुमि संपम्प  
हुँछ मृग जाका वल पंज न सीम्प भेर हनि मात्र हुँछ ॥ ३८५ ॥ तव फेरै सिरने मित्र  
कभूद्वय नु हे मित्र लघु पतन कथम उष देल लेताः जसोफा न भुद्विले ग्राफ ना ४४  
त्याहि को सन विरागा पु रु वले मर्दन गन्मा को देखि वनिवा का छोटा कन  
लं ता प भयो जो तले लेला ॥ ३८६ ॥ तव सिने जा नाले भूद्वय नु हे मित्र हिरने  
कसो ज थाहा का लोला मि ह रु क न प नि म नाउ ठ ह वर भूद्वय ॥ ३८७ ॥



तब हिंदू से कथं दूर है मित्र हो भ-नर वर यक क मो ज दे ल का विहल न  
राजा भन्ना को थिये ते सरा जाले विहपुर भन्ना का नगर नातुरी गल भन्ना को रा  
ज पुत्र नगर राजा तुल्या या ॥ ३९८ ॥ सोतुरी गल भन्ना को राजा वडो धन वन नुवा  
न। थियो यक दिन आफना लहर भिन्न फिदा पाते लरा जाले भर्भ कि तह नि  
त्या हिल लावने वति भन्ना कि वगिया का छोरा कि त्याहिल दे पि क न आयो ॥ ३९९ ॥  
हे मित्र हो उमेघ रि दे पि राजाले आफना राजा ई का मकर भये ले बहुत पिडा  
मानिक तलावी-म वति छेउ दुति पठाया ॥ ४०० ॥ ते सला व-म वति क न पति  
राजा क न दे पि उमेघ रि दे पि का मचे सले बहुत पिडा मात क न म न म  
राजे को चिन्ता नाग न लागि ॥ ४०१ ॥ हे मित्र वल भन्ना को छ त्याहिल हल क न  
यो प्रिय यो प्रपुय भन्नु के हि दै न ज सो व न मा गा ई हल ले मो मो पुरा, या को



हिन्

४५

घासको जिर्ण धन तले स्वास्ति हत लेजवान पादिसुहेरि चाहागईर ॥४०२॥  
ताहाउप्राना दुति लेराजाका कुरासवै भन्नापछि लावै न्यवति भईर ॥४०३॥  
यस भन्नाको छ जो स्वास्ति लाई घरका काम गर्नुमा मंथि वस जो स्वास्ति छोट  
छोरि किन हतारि हवस जो स्वास्ति ले आफना प्राण वा हिपनि आफना स्वास्ति कन  
पियाले गर्छ रोस् (जो स्वास्ति पविर्ती बोलावस यस्तो स्वास्ति कन स्वास्ति भन्नु ॥४०४॥  
जो स्वास्ति आफना स्वास्ति को मन न पन्नाको स्वास्ति कन स्वास्ति न भन्नु काल भन्ना  
देखि कन अग्नि लाछि गरि कन पायाको स्वास्ति छेडि कन ग्रह कासन न जानु  
स्वास्ति को उचित होईर ॥४०५॥ तस्कार नलावै न्तेवति भईर हे दुति जव मेरा  
स्वास्ति ले आफना गर्भ तस्मात् ले विल भग्न भईर त अग्न्ये आउला ॥४०६॥ त  
व दुति भईर हे लाव न्यवति सत्य जित भईर कि भन्दा ॥४०७॥ तवला व न्यव

मिन्

४५



ति भं देहे दुति ओ कुरा प्रसन्न/मित भं दु भं द्या ॥ ४०७ ॥ तव दुतिले लाव-मवति  
कावच न भुतिरा जातु रीग वल दे उ गे सव हतान्त कहि ॥ ४०८ ॥ तव रा जातु रीग  
वल भं देहे दुति अक नात्वा पिजालत वात लोपाई लिनु ताव डो कठिन छ भं द्या ॥  
४०९ ॥ तव दुति भं देहे पाहा राज उ पाई ग गुह व ॥ ४१० ॥ फेरि दुति भं देहे पा  
हा राज यत्न भ-पा को छ उ पाय ले न सज्जा को जो का म लोप रा क्रम ले स क नु दु दे  
न ह तानि न प मि छ जा हा भ-पा उ पाय ले गरि क न गु ला त्या ल ले लि म का वो दो  
गरि ले जाई क न हा ति क न मा-यो ओ भं द्या ॥ ४११ ॥ तव राज पुत्र भं द्यो कथा  
क स्व हो भं द्या ॥ ४१२ ॥ तव दुति भं देहे पाहा राज प्रह्लाद एवे भ-पा को प न मा  
द क व डो फल पुर तिल क ना म श-पा को हा ति धि यो प क दि न लो हि ल ति ला  
ई त्या ल ह ह ले दे प्यार त्या ल स वै मि ति क न वि न्त ना ग नी ला म ॥ ४१३ ॥



हि त  
४६

तव त्पाल लह र भि द न त स ल तिला ई को ने प्र का ट ले पा नु ल क्पा ते स्का ल रि र ले  
 हा पि ह र ला ई चार मे ना हा ई बु जि लि न भो ज न पु ज्ज्या धियो भि द ॥ ४४ ॥ त  
 व को ज न भु क्तु ठो त्पाल ल धियो त स त्पाल ले प्रति जा ग्ग्यो मे रा गु पि का व ल ले  
 ते ल ल ति क न पा र ला हे र भ वि ग यो ॥ ४५ ॥ ना हा उ प्रा त ते से (गु ठा) त्पाल ले कर पु  
 र तिल क भ न्या जो ल ति का न जि क जा ई क न वि नि ग यो ॥ ४६ ॥ हे ना हा रा ज भ  
 ति र न ज र ले हे रि क न क्पा ग गु ह व र ॥ ४७ ॥ त व ल ति भि द न को हो स का हा वा  
 टा प्र ॥ ४८ ॥ त व र्ज भु क भि द न हे पा हा रा ज भ र्ज भु क ह स वे व न चानि ह ह  
 ले ति पि दे उ म क न प ठा या क्पा ल भ न्या वि ना रा जा ले हा पि ह र व ह स क टे नो  
 भ न्या र त्का र न ले य स व न्मा रा जे पि से क दि ना जो भ पा का स व त्पा नि गु न  
 ले र्भु क्त भ यो को ति पि ला ई चार हा या त्का र न ले म ति पि दे उ प्रा या को

मि व  
४६



॥४१८॥ हे माहा राजा जो कोहि कुलाचार लेखुं जे रह न्याव डोप्र ता पि तु न्याव डोप्र  
न्याव डोप्र निति ला लाजा जाय सा जन पृथिका त्या दि तु न्या उ न जो गे ॥४२०॥ हे  
माहा राजा जो रूपानि भंड हेर अदि ता जा तु न्या उ न पदि त्या दि तु न्या उ न  
राजा न भवा जो भा उ मो ध न ल प्य ति प नि त्या दि प नि आ क तु हु दे न ॥४२१॥ हे माहा राज  
ज जो सवे प्रा नि को प्र ति पा ल ग र्था पे घ हुं छ न त ले स वे का प्र ति पा ल तु न्या रा जा हुं छ  
न पे घ न व र्था तु दि प्रा नि रु मि उ छ न रा जा न भ या हुं दि मि उ दे न न ॥४२२॥ हे माहा रा  
ज य स भ सा को छ य स ली ला र पा ड ड का ड र ले प्रा नि रु म् आफ ना ठे गा ना पा र ही छ  
न प रा ई का व स्ये पा र ह न्या य स ली ला र पा ड ड का ड र ले प्रा नि रु मि ले आफ ना ठे गा ना र ह न्या  
पा नि ल पा नि ल दु ल्हा भ हुं छ न त्या दि रु ले प नि ड ड का ड र ले प न न प म्मा को भ या प  
नि दु र्ब ल रो ग द लि दु भ या प नि आफ ना था पि क न पा नि र ह छ न छो ड न ल के तु न  
॥४२३॥ न व जी मु क भं छ न हे माहा राजा त आ र ग ले ल ग न वे ला न वि सो ल चा डो



हिन  
४७

[illegible]

TM

४७



हे वनिपुत्र भैले भै नादि न स म मो रि व र्ज ग र्ज म्पा ट्या सो ते ले प्राज दे धि नि ने रा वि  
माय कु कु लि मा न र नि त्वा हिल हे रि ल्या उ न्या गर त स त्वा हिल नि त भै ले जो गे लि त पु  
ना ग धु ॥ ४३३ ॥ ता हा प्रा न्त वा र द न व नि या का छे रा ले ज सो रा जाले आजा ग म्पा थ्या  
त से न र ह कि नि कि स्वा हिल न र कि ल्या ई दि यो रा जाले का ग र्ध र भ नि आ फु लु कि हे  
रि रा ह्यो ॥ ४३४ ॥ त स तु र ग व ल रा जाले प नि ते स त्वा हिल ना ई आ फु ले न छे ई क न वा ठ  
वा क प्र डा न ह ना दि पु ना गरि क नि त्प म्पा दा गरि घ र पु म्पा उ न प ठा यो ॥ ४३५ ॥ य ल्या  
न र ह लि त दि न १ ४ ग या प छि वा र द न व नि या का छे रा ले रा जाले न छि न दे धि व  
स्वा स मा नि क न ध न जो ले भ ले य क दि न आ फु नि त्वा हिली ला वी न व ति भ म्पा कि ल्या  
इ क न त्वा धि दि यो ॥ ४३६ ॥ ते स तु र ग रं रा जाले प नि ते स त्वा हिल न व रा जाले आ फ ना म्  
न प म्पा कि पि का रि ला वी न व ति क न दे धि उ ठि क न ला हो गरि प्र क मा ला गरि र स ले  
आ वा वि र लि क न पु ष लि त पु ली गा म प ल्या ॥ ४३७ ॥ त व व नि या का छे रा ले हे  
रि क न वि ग ले प मे र ल्यो के रि ग र्ज न पु न नि चे त र हे न ब डा स ता प पा प यो ॥ ४३८ ॥



हि न

४८

तव हि रं न्य क भं दू न हे नि न ल घु प त न य प धि ति नि क न य नि ल ले ली ता प हो ला ॥ ४३८ ॥  
यति हि रं न्य क ले न प य को उ नि के न मी थ र ले प नि द ले को हो न भ या जे ना नि क न ज ला अ  
घो डि हि डी ॥ ४४० ॥ ता हा प्रा न हि रं न्य क म नि ति ने जा ना मी थ र प धि प धि उ ले ठा उ टे  
धि हि डी ॥ ४४१ ॥ ता हा प्रा न मी थ र अ दि ना दा रु दि ये क आ धा ले व न मा घु म दा फि र्दा मी थ  
र क न फि ला पा ये ॥ ४४२ ॥ त व आ धा ले म थ र का ग ला मा ता दो ले वा पि क न थ गु का तु  
पा मा धु पि ये न व न २ मा घु म न ला गो व न मा फि मा या थ का ई ले घ र जा न ला गो ॥ ४४३ ॥  
ता प्रा न पे धि प धि ह ग का ग गु ला ई ति ने जा ना व डी पि षा द न गि ला ग्ग ॥ ४४४ ॥ त व ति ने  
जा ना ना दा रु दि हि रं न्य क ले पि ला प न ये य क दु ष ल गु द्र को पा र जा ई न पु गि दो अ दु ष  
को ल गु द्र अ ई पु गे ज व वि धा ता वि नु ष रु छ न त व अ न ये क थि अ न ये अ ई प दू र ॥ ४४५ ॥  
ता मा ये लि त न का जो यो नि अ त्व भा गे ले पा उ गु दू त ला नि पि न ले ग्रा प दा प टी मा प नि ल  
ह न पि न ले ना व छे दि ॥ ४४६ ॥ अ क न न र ता रि अ क ना त्या हि न दा गु भा ई अ क ना  
मा य मी दे उ प नि उ ति का वि त्या ल रु दे न म नि वि त्या ल ल रु ज न का मि त्र मि त रु छ ॥ ४४७ ॥  
हे मि न अ न पु र्ज न म ना ग रि ग्रा या जो ज म जो फ ल अ न ह व स्की अ न ह ज न अ

मि न

४८



को ज नमदा पाउ जे द भवि भ का को द त्व मे ले ये ले ज नमदा दे ध्या ज लो पा नि ह र का न न के  
 हे र ह द न ले ये ज नमदा द ला के दे र ह्या द न ॥ ४४८ ॥ **ॐ** हे मित्र को प नि ल ले ले ज नमदा  
 द जि जा हा ल र ह र हो इ स्थ ति भो ना त लो ना ल व नि स मे र ह द ज नमदा जि जा हा ल वि प ति प ति ल मे र  
 ह द जा हा ली जो ग ता हा वि जो ग प नि ल मे र ह द न ह्यार न ले य स ली ला र ना ल व थो ज प नि ज  
 न प ति ह न्या हो ना लि न्या प ति हो ॥ ४४९ ॥ वा हा दे धि म न ना वि चा र ग रि क न हि र ले क ले  
 न नो न न जो क फ न्या का लि दि न्या स नु जा न ये दे धि र ह न ग र्ग ति वि न्या स जो ग्रा स नु न  
 न्या प ना मि न न न्या जो को दु ई उ दे र न न वि धा ता ले जी धि ग न्यो न हि ॥ ४५० ॥ हे मित्र हो  
 उ द प नि न दु लु ग ल ह न मि न लि त को ज्यो मे जि खो ल ला र ना व डो दु लु ग न द न क ला मे जि  
 न न्या दु ई ग्रा वा जो धि ति ह ना य न नु न उ र ह न मि न न न्या वि न क न न्या न द दि न्या  
 न न लु ग नु न द ये का पा न स धा ति ह न न र ह न मि न ह न न्या ग्रा क ना व ठ ति क न ल ना  
 ध न क न ले न ले ग्रा ई मि ल न्या न र ह नि ह न ना प रि ध न वि प ति प दी जा नि द न ॥ ४५१ ॥  
 नि ह न्ये क नु ता ले य ल न र ह नो त व ह नु वि ला प ग रि क न वि न शि ल घु प त न नु द  
 ये दे उ न न्या ॥ ४५२ ॥ के रि हि र न्ये क न द र ह मि न हो न्या व न ना ले य ल न्या धा ले य न दे  
 धि नि स्क न न ना ई ना व न ना ले मि न न थ र क न हो ना व न्या य न ग र्ग ह व न न द्या ॥ ४५३ ॥



हिम  
४८

तव विनागत पुनः तनक दुवेनाग भंछ रहो नग स हि ले व ल्हा उ का जो य न्ना बु जि छ लो न  
डोग तु ह य ल्भ न्दा ॥ ४५४ ॥ तव हि र्द ये क र्द हे नि न वि ग ग ग वि धि ति नि जा ई क न ज  
ल का ल नि व पो न म्भ जे प्र वे त ने र हो ॥ ४५५ ॥ के री का य क न र्द हे नि न ल पु प त न क ति  
नि व ति जा ई क न ई ति का म रि द ना व हि क न्नु च्वा ले थु गि र ह्वा ॥ ४५६ ॥ तव नि च्च य च  
म व्वा धा ले का पु वा छे रि क न म्भ ग न्ना न ले नि ये न्ना तव जे ले म्भ र को व न्ध न्ना  
दि दि उ ला भ न्दा ॥ ४५७ ॥ तव हि र्द ये क ले य ति न्ना का प दि वि ग ग ल पु प त न क ट  
वे जा नाले न लो ग रि हि र्द ये क ले य को व्वा त ले म्भ रि का नि जा छे उ का जा ई क न  
र ह्वा न व व्वा धा ला ई ति र्वा ले प रि स र्म ना नि न्ना ई क न का नि जा ई क न म्भ म्भ वि वि  
आ म ग रि र ह्वा म्भ का नि जा छे उ का म रि र ह्वा को म्भ ग दे वि का यो ॥ ४५८ ॥ तव  
व्वा धा ले का टि ले जा न व डो ह र्म का न भे क दु वा उ ले आ उ का छे डि क न म्भ ग जा नि  
क ट का ग यो ॥ ४५९ ॥ तव हि र्द ये क ले स र पा ई क न हि र्द ये क ले म्भ र को व न्ध न्ना  
दि दि यो न व म्भ र ले प रि दु गु रि क न ग यो र पा नि भि न्ना प ल्को ॥ ४६० ॥ तव  
मि र्ग ले व्वा म्भ ग्ना क न नि र्ग ना ग्ना का जो दे वि क न उ ठे र्म गि ग यो ॥ ४६१ ॥  
तव व्वा धा के रि न्ना ई क न र्द वि न नि हे र्म क पु वा के हि दे वे न र्द म न ना नि न्ना

मिग  
४८



नाग सोहे रिचि चारि का पन ग मी नी छालाई यत्ने ही छ ॥ ४६२ ॥ यत्न मन्त्र को छ ज  
 ल मनु खेले निखल भवा को बुलु छोडि कन लिये रन भवा को बलु काई दवा मरो ला मनु  
 ये ना निखल नका जलु पनित का देखि वे रना दन लिये रन भवा को बलु का मरो के हो  
 ॥ ४६३ ॥ ता हा उ प्रा न भा वि का व्याल ले निता स भै कन मा धा रा जा जा ले ख मित्र प त्यो ॥ ४६४ ॥  
 तव हिर मन्त्र मी ध र ची गी गल घु वत न क ई चा ॥ ४६५ ॥ ता का ल वे प्रा प दा दु हा ई ध धा मित  
 प्रा फ ना ल्था न मा जाई र ह्या ता हा उ प्रा न य ति क था हा धि लु स म्म ले धु ना या प दि र राज  
 पु ग ह र ले म्मा मी द लि त भै द न ई चारे जा ना प नि उ धि भ या वि द्रा प्रा ता द ले ल मि  
 ह र ले च न ई द्वा ग म्मा गो लि द्र न यो म्मा दा ॥ ४६६ ॥ तव मि लु ल मी व डित भै द न ही ल  
 ज म्म न हो ति नि ह र ले च न ई द्वा ग म्मा को पु न म को ने ल म्मा वि ल दे व नि फु लो ल ॥ ४६७ ॥ हे  
 राज पु न हो ति नि ह र क न ल ज न नि न ल म्मा ह व ल ति प्रा दे ल ल ल वि ल ले प्रा म्म य ली उ क  
 रा ज ले प्रा फ ना ध र्म का र हि क न पृ थि धि को पाल ना ग द न म्मा मी ग रि भ र्म जि त्वा हि न ल  
 ल म्मा वि ल ले का म्म न प र्म न ल ले जो मे ले म्मा को वि ति ल ज न न ह र जा न न प र्म  
 ल च र्म चै द्र पु डी न नि भ या का म्मा ग न ले ल वे का द ल्हा न ग ह र ॥ ४६८ ॥ हि



सिंह

40

[illegible]

75

40